बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), बिहार, पटना – 800015

दूरभाष संः– 0612–2217956
फैक्सः– 0612–2215611/2215978
ई–मेलः– ceo_bihar@eci.gov.in

प्रेस–विज्ञप्ति

दिनांकः 16 मई 2025,
स्थानः पटना, बिहार

आसन्न बिहार विधानसभा आम निर्वाचन, 2025 की तैयारियों की समीक्षा के क्रम में भारत के निर्वाचन आयुक्त डॉ० विवेक जोशी ने अपने चार दिवसीय दौरे के अंतर्गत आज पटना में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार श्री विनोद सिंह गुंजियाल, स्टेट पुलिस नोडल पदाधिकारी श्री कुंदन कृष्णन, पुलिस महानिरीक्षक, जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी, पटना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पटना, अपर सचिव, निर्वाचन विभाग एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इस बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों, आदर्श आचार संहिता के अनुपालन, मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप गतिविधियों की समीक्षा, कानून–व्यवस्था, मतदान कर्मियों के प्रबंधन, दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं हेतु सुविधाओं की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों तथा शिकायत निवारण तंत्र से संबंधित तैयारियों की समीक्षा एवं विस्तृत चर्चा हुई।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, श्री विनोद सिंह गुंजियाल एवं पुलिस नोडल पदाधिकारी द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न आँकड़ों एवं तथ्यों को साझा किया गया। इसके उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–जिला पदाधिकारी, पटना श्री चंद्रशेखर सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री अवकाश कुमार द्वारा पटना जिला से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया गया।

निर्वाचन आयुक्त डॉ० जोशी ने निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं अधिकतम सहभागिता वाला बनाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधी समस्त कार्य निष्पक्षता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी सहभागी पक्षों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रशासन को रचनात्मक पहल करनी चाहिए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें मतदान केंद्र पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट सम्मिलित हो रहे हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम नई दिल्ली के साथ–साथ बिहार के प्रमंडल एवं जिला स्तर पर भी आयोजित किए जा रहे हैं। आयोग का लक्ष्य सभी संबंधित पक्षों की सशक्त एवं जागरूक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

बिहार में कुल 77,895 मतदान केंद्र हैं, जिन पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के अनुसार बिहार में कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 7.80 करोड़ है। निर्वाचन आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने से वंचित न रह जाए। विशेष रूप से, 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या उनके अनुमानित जनसंख्या अनुपात की तुलना में कम है। वर्तमान में इस वर्ग के मतदाताओं की संख्या 8,08,857 है, जबकि अनुमानित जनसंख्या लगभग 64 लाख है। इस स्थिति को देखते हुए युवाओं के नाम पंजीकरण पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया।

मतदान प्रतिशत के संदर्भ में भी निर्वाचन आयुक्त महोदय ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जहाँ राष्ट्रीय औसत मतदान प्रतिशत 66.10% है, वहीं बिहार में पिछला लोकसभा निर्वाचन मात्र 56.28% मतदान के साथ संपन्न हुआ, जो अपेक्षाकृत कम है। अतः, मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई जाए, जिसे सूक्ष्म स्तर (माइक्रो लेवल) तक लागू किया जाए एवं जिसकी नियमित समीक्षा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले 10 वर्षों में हुए आम निर्वाचनों में बिहार का मतदान प्रतिशत लगभग 56–57% के बीच रहा है, जिसे बढ़ाये जाने के लिए विशेष प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

बिहार में कुल 7,69,046 दिव्यांग (PwD) मतदाता एवं 5,91,347 ऐसे वरिष्ठ मतदाता हैं जिनकी आयु 85 वर्ष से अधिक है। निर्वाचन आयुक्त महोदय ने निर्देशित किया कि इन मतदाताओं की समावेशी रूप से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि उनका मतदान बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। इससे न केवल निर्वाचन प्रक्रिया में सभी वर्गों की समावेशी भागीदारी साकार होगी, बल्कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में भी यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अपने चार दिवसीय दौरे के क्रम में डॉ० जोशी शनिवार को मोतिहारी में एफएलसी (फर्स्ट लेवल चेकिंग) का निरीक्षण करेंगे तथा बेतिया (पश्चिम चंपारण) में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं बी०एल०ओ० के साथ समीक्षा बैठक एवं क्षेत्रीय भ्रमण करेंगे। रविवार को वे एस०एस०बी०, वाल्मीकि नगर के अधिकारियों से बैठक करेंगे एवं क्षेत्रीय भ्रमण करेंगे। सोमवार को वे वैशाली में क्षेत्र भ्रमण करेंगे।

डॉ० जोशी का यह दौरा राज्य में मतदाता सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, एफ०एल०सी० प्रक्रिया, प्रशिक्षण केंद्रों एवं मतदान केंद्रों की स्थिति का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने के उद्देश्य से हो रहा है। भारत निर्वाचन आयोग इस यात्रा के माध्यम से यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बिहार में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सहभागी निर्वाचन संपन्न कराया जा सके।

****